Paper - III

MT

2018 1100

MT - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - III

Time : 2 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 40**

विभाग 1 - गद्य

उ.1. क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

1) आकृति पूर्ण कीजिए । **2**

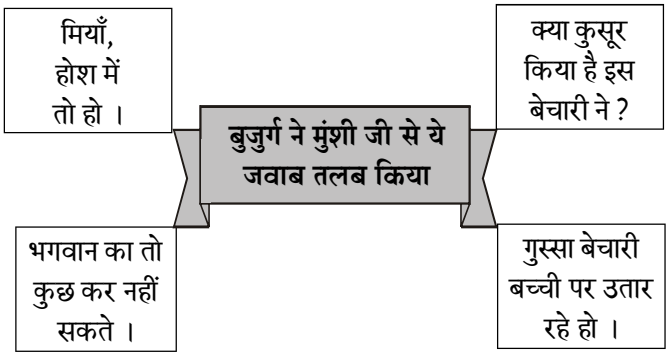

2) i) **पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए ।**

(1) कुसूर → गुनाह ½

(2) चिराग → दीपक ½

ii) **निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द परिच्छेद से ढूँढ़कर लिखिए ।**

(1) जवाब × सवाल ½

(2) बेकुसूर × कुसूर ½

3) सनक सवार होने पर व्यक्ति अपना आपा खो बैठता है । उसकी सामान्य बुद्धि लुप्त हो जाती है । वह ऐसा व्यवहार करने लगता है - जिसकी लोग अपेक्षा नहीं करते । रंग में भंग कर देना उसके लिए सहज हो जाता है । उसके अटपटे व्यवहार को देखकर लोग हैरान रह जाते हैं । वे उसे पागल तक समझने लगते हैं । **2**

उ.1. ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

1) उत्तर लिखिए। **1**

i) (1) ईमानदारी (2) नैतिकता
(3) सत्य (4) अहिंसा

ii) (1) मानवधर्म (2) प्राणीधर्म **1**

2) i) **निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द लिखिए ।**

(1) नास्तिक × आस्तिक **½**
(2) ईमानदारी × बेईमानी **½**

ii) **निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए ।**

(1) अनोखा - अद्‌भूत **½**
(2) विद्‌यमान - उपस्थित **½**

3) अनेकता में एकता भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है। यहाँ की प्राकृतिक विभिन्नताओं को देखकर कोई भी कह सकता है कि भारत एक देश नहीं बल्कि देशों का समूह है। यहाँ कई धर्म और भाषाएँ प्रचलित हैं; लेकिन इन्ही विभिन्नताओं की तह में ऐसी एकता फैली है जो अन्य विभिन्नताओं को पिरोकर एक सुंदर समूह बना देती है। जिस प्रकार रेशमी धागा भिन्न-भिन्न प्रकार की अनेक रंगों की मणियों या फूलों को पिरोकर एक सुंदर हार बनाता है। उसी तरह हमारा भारत भी सभी भारतीयों को एकता के सूत्र में बाँध कर रखता है। हमारे रहन-सहन, खान-पान, वेश-भूषा, बोली-भाषा, धर्म-जाति अलग-अलग है फिर भी हम एक है। यही हमारे भारत की एकता का आधार है। **2**

विभाग 2 - पद्‌य

उ.2. (च) पद्‌यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

1) i) **संजाल पूर्ण कीजिए :** **2**

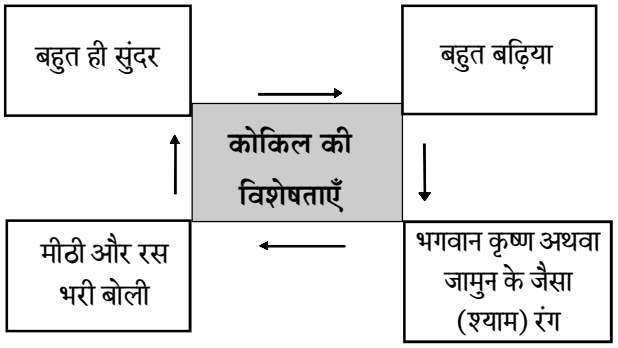

2)	**वचन परिवर्तन कीजिए :** i) चिड़िया - चिड़ियाँ ii) आम - आम	 ½ ½
3)	पर्यावरण की सुरक्षा में पक्षियों की बहुत बड़ी भूमिका होती है। पक्षी सड़े - गले मांस को खाकर वातावरण में फैलने वाले दुर्गंध से लोगों की रक्षा करते हैं। जब गाँव में कोई पशु मर जाता है तो उसके मांस को चील, कौवे, गिद्ध आदि पंछी चंद घंटो में ही खा जाते हैं, जिससे उसकी दुर्गंध नहीं फैलती, पक्षी बरगद, पीपल आदि पेड़ों के फलों को खाकर बीट करते हैं जिनसे इन पेड़ों के बीज एक स्थान से दूसरे स्थान पर फैल जाते हैं और इन बीजों से नए वृक्ष उत्पन्न होते हैं जिनसे वातावरण शुद्ध होता है।	2
उ.2.	**(छ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**	
1)	i) **उत्तर लिखिए ।** (1) देशप्रेम की भावना को बढ़ाना । (2) देश के झंडे के प्रति गौरव की भावना।	1
	ii) **उचित पर्याय लिखिए ।** (1) स्वतंत्रता के नए पर्व पर गाइए **भारत माँ की जय - जयकार** । (2) सभी दिनों से यह दिन सुंदर है **स्वतंत्रता का दिन ।**	1
2)	**शब्द के अर्थ लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए ।** i) पर्व → त्योहार ii) डग → कदम	1
3)	भारत हमारी मातृभूमि है। हमारा देश हमें प्राणों से भी प्यारा है। भारत संसार का सबसे प्यारा देश है। हिमालय पर्वत हमारे देश का सिर मौर है। गंगा, यमुना आदि नदियाँ इसके हृदय पर हार की तरह शोभा देती हैं। सुंदर कश्मीर हमारे देश का स्वर्ग है। दुनियाभर के हजारों पर्यटक इसे देखने के लिए हर साल भारत आते हैं। यह वो धरती है जहाँ राम, कृष्ण और बुद्ध का जन्म हुआ है। यह देश हमें 'बसुधैव कुटुंबकम' का भाव सिखाता है।	2
	विभाग 3 - व्याकरण	
उ.3.	**पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**	
1)	**मानकवर्तनी के अनुसार शब्द चुनिए ।** i) सांस्कृतिक ii) विश्वास	1

2) **निम्नलिखित अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **1**

आत्माराम जी चाय को प्यालों में भरने के लिए खड़े होते हैं ।

3) i) **काल पहचानिए ।** **1**

अपूर्ण वर्तमानकाल ।

ii) **काल परिवर्तन कीजिए ।** **1**

उनके पिता व्यवसाय करेंगे ।

4) i) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए ।** **1**

(अभिभूत हो उठता, रच - बस जाना, जुट जाना)

विवेक विदेश में रहकर वहाँ के माहौल में **रच - बस गया** ।

ii) **निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **1**

दम तोड़ना - मर जाना ।

वाक्य : सहायता पहुँचने से पहले ही बाढ़ पीड़ितों ने **दम तोड़ दिया।**

विभाग - 4 - रचना

उ.4. **1) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए ।** **4**

कमला पवार
11/स, शंकर भवन,
रामनगर,
औरंगाबाद।
दिनांक - 5 मार्च, 2017

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाध्यापक जी,
तिलक विद्यालय,
गणेश पथ,
औरंगाबाद।

विषय : प्रमाणपत्र की प्रतिलिपि मँगवाने हेतु प्रार्थना पत्र ।

माननीय महोदय,

मैं कमला पवार आपके विद्यालय की भूतपूर्व छात्रा हूँ। मैंने मार्च, 2016 में एस.एस.सी की परीक्षा पास की थी।

मेरा एस.एस.सी. का प्रमाण पत्र जो विद्यालय से मिला था वह कहीं खो गया है। बहुत तलाश करने पर भी नहीं मिल रहा है। मैंने एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी के लिए आवेदन किया है। कंपनी की शर्त के अनुसार प्रमाणपत्र दिखाना अनिवार्य है। मेरा अनुक्रमांक नं.602563 है। प्रमाणपत्र के बिना मुझे नौकरी नहीं मिलेगी।

अत: आपसे प्रार्थना है कि मुझे प्रमाणपत्र की प्रतिलिपि देने की कृपा करें।

कष्ट के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ।

धन्यवाद!

आपकी आज्ञाकारी छात्रा,
कमला पवार।

टिकट

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाध्यापक जी,
तिलक विद्यालय,
गणेश पथ,
औरंगाबाद ।

प्रेषक,
कमला पवार,
11/स, शंकर भवन,
रामनगर,
औरंगाबाद ।

2) सरल हिंदी में अनुवाद कीजिए । **4**

(1) तुम अपने महान परिवार पर कलंक न लगाओ ।
(2) तुम्हें बुरी चीज से भी लाभ उठाना चाहिए ।
(3) भारत बहुत तेजी से उन्नति कर रहा है ।
(4) एक मछली सारे तालाब को गंदा कर देती है ।

3) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 60 से 80 शब्दों में रोचक कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए । **4**

<u>कुसंगति का फल</u>

कई साल पहले की बात है। एक घना जंगल था। जंगल के बीच में एक तालाब था। उसमें हमेशा पानी भरा रहता था। पेड़ों पर तरह-तरह के पक्षी रहते थे। तालाब में एक राजहंस रहता था। उसका रंग रूप बहुत ही सुंदर था। तालाब के पास ही बरगद के पेड़ पर एक कौआ रहता था । वह राजहंस का रंग रूप देखकर उससे बहुत जलता था।

एक दिन एक शिकारी उस जंगल में आया। वह बहुत थका हुआ था, इसलिए उस बरगद के पेड़ के नीचे आकर बैठ गया। कुछ सोच रहा था कि अचानक उसे नींद आ गई। कुछ देर बाद पेड़ के पत्तों में से छनकर सूरज

की तेज किरणें शिकारी के मुँह पर पड़ने लगी। यह देखकर राजहंस को शिकारी पर दया आई।

पेड़ की डाली पर बैठकर उसने अपने बड़े-बड़े पंख फैला दिए और शिकारी के मुँह पर फिर से छाया कर दी। दुष्ट कौए से हंस की भलाई और शिकारी का आराम नहीं देखा गया। उसने सोचा कि यदि किसी तरह शिकारी को जगा दिया जाए तो उस हंस का नामोनिशान न रहे। फिर वह तुरंत शिकारी के सिर पर बीट करके उड़ गया । इससे शिकारी जाग गया । उसने ऊपर पेड़ पर राजहंस को देखकर उसी को दोषी माना। उसने क्रोधित होकर अपने तीर से उस हंस को मार डाला।

सीख : इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि दुष्ट पड़ोसी से बचकर रहना चाहिए।

❖❖❖❖